करेंट अफेयर्स
राजस्थान
(संग्रह)

मार्च 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान **3**

- कोटा केयर्स पहल 3
- आजू गुजा 4
- सैन्य अभ्यास डेज़र्ट हंट- 2025 4
- धन्वंतरी पुरस्कार 5
- आरोग्य मेला-2025 6
- वरुण सागर 7
- उदय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट 8
- सर्कुलरिटी के लिये शहरों का गठबंधन (C-3) 9
- माही-लूनी लिंक परियोजना 10
- IIFA अवॉर्ड्स 2025 11
- राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2025 13
- पोषण अभियान 13
- कौशल विकास नीति-2025 15
- पाटली नदी 16
- राजस्थान में सहकारी समितियाँ 17
- सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य 18
- गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स 2025 19
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना 20
- एकमुश्त समझौता योजना 21
- गिवअप अभियान 22
- अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 23
- मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व 25
- राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक, 2025 27
- गंभीरी नदी 28
- राजस्थान में किसानों के लिये सब्सिडी 29
- हरियालो राजस्थान अभियान 30
- आना सागर झील 31
- कर्रा रोग का फैलाव 32
- राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान विधेयक, 2024 33

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

राजस्थान

कोटा केयर्स पहल

चर्चा में क्यों

कोटा केयर्स' पहल ने कोचिंग केंद्र में छात्रों की सहायता के लिये **नई गाइडलाइंस जारी कीं**, जिसके तहत रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों पर हेल्पडेस्क उपलब्ध कराए जाएंगे और शहर भर में छात्र सहायता केंद्रों का नेटवर्क स्थापित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **नई गाइडलाइंस और सुविधाएँ**
  - **आवास और वित्तीय सहायता**
    - **4,000 छात्रावासों** से सुरक्षा एवं **कॉशन मनी** हटाई जाएगी।
    - **मेंटेनेंस शुल्क**, प्रति वर्ष 2,000 रुपए तक सीमित।
    - अभिभावकों को सभी **भुगतानों की रसीदें** दी जाएंगी।
    - कमरे में परिवर्तन और अवकाश नीतियों के लिये परिभाषित दिशा-निर्देश।
  - **सुरक्षा और संरक्षा उपाय**
    - सभी छात्रावास कर्मचारियों के लिये **अनिवार्य गेट-कीपर** प्रशिक्षण।
    - सीसीटीवी निगरानी और **बायोमेट्रिक प्रणाली सहित आधुनिक सुरक्षा-तंत्र की स्थापना।**
    - **महिला छात्रावासों के लिये विशेष प्रावधान**, जिसमें महिला वार्डन भी शामिल होंगी।
    - एंटी-हैंगिंग डिवाइसेस और **फायर NOC** के लिये अनिवार्य प्रमाणीकरण।
    - व्यक्तिगत कक्ष भ्रमण के माध्यम से नियमित रात्रि उपस्थिति जाँच।
  - **छात्र कल्याण पहल**
    - **चंबल रिवरफ्रंट और ऑक्सीजन जोन तक** नि:शुल्क पहुँच
    - सभी छात्रावासों में **मनोरंजन हेतु निर्दिष्ट स्थान।**
    - मध्यावधि छुट्टियों के दौरान खाद्य सेवाओं की उपलब्धता।
    - **रेलवे स्टेशनों और बस टर्मिनलों पर कोटा केयर्स हेल्प डेस्क।**
    - छात्र सहायता केंद्रों का एक शहरव्यापी नेटवर्क।
  - **कोटा केयर्स पहल के बारे में:**
    - कोटा केयर्स' **ज़िला प्रशासन, कोचिंग संस्थानों, छात्रावास संघों और स्थानीय समुदायों की एक संयुक्त पहल है,** इसकी शुरुआत **दिसंबर 2024** में की गई थी।
    - **इसका उद्देश्य** प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों में तनाव की समस्या और आत्महत्या के बढ़ते मामलों से निपटना तथा **छात्र कल्याण में सुधार करना** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- 'कोटा केयर्स' पहल शहर के शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल कोटा बल्कि पूरे देश के अन्य शैक्षिक केंद्रों के लिये एक आदर्श के रूप में काम कर सकती है।

आजू गुजा

चर्चा में क्यों?

22-23 फरवरी 2025 को राजस्थान के **बीकानेर में पहला बाल महोत्सव 'आजू गुजा'** आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **महोत्सव के संदर्भ में:**
  - इस महोत्सव का **आयोजन ज़िला प्रशासन द्वारा** किया गया, जिसमें **देश भर से 50 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया।**
  - महोत्सव के दौरान बच्चों को **नृत्य, संगीत, चित्रकला और कई अन्य कला रूपों से परिचित** कराया गया।
- **कला एवं शिल्प गतिविधियाँ:**
  - इस महोत्सव में बच्चों ने **कठपुतली, कथा-कारिता, रंगमंच, चित्रकला, मूकाभिनय, विदूषक करतब, क्लाउन शो, वाक्चातुर्य, कावड़, बायस्कोप** तथा **लोक संगीत एवं नृत्य** सहित अनेक जीवंत प्रस्तुतियों से मन मोह लिया।
  - **विभिन्न प्रकाशकों द्वारा बाल साहित्य की पुस्तकों की प्रदर्शनी** भी आयोजित की गई, जिनमें प्रमुख हैं **प्रथम, नेशनल बुक ट्रस्ट,** एकलव्य, **अमर चित्र कथा,** आदिदेव, राज कॉमिक्स और कैलास्टिक।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (NBT)

- **NBT, इंडिया** वर्ष 1957 में **भारत सरकार** (उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय) **द्वारा स्थापित एक सर्वोच्च निकाय** है।
- **NBT के उद्देश्य** हैं:
  - **अंग्रेज़ी, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में अच्छे साहित्य** का सृजन एवं प्रोत्साहन करना।
  - इस तरह के **साहित्य को जनता को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना।**
  - पुस्तक सूची प्रकाशित करना, **पुस्तक मेले/प्रदर्शनी और सेमिनार आयोजित करना** तथा लोगों को **पुस्तक के प्रति रुचि** रखने वाला बनाने के लिये सभी आवश्यक कदम उठाना।

सैन्य अभ्यास डेज़र्ट हंट- 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय वायु सेना ने 24 से 28 फरवरी, 2025 तक **वायु सेना स्टेशन जोधपुर** में एकीकृत त्रि-सेवा विशेष बल अभ्यास, **एक्सरसाइज़ डेज़र्ट हंट- 2025 का आयोजन** किया।

मुख्य बिंदु

- **विशेष बलों की भागीदारी:**
  - इस अभ्यास में भारतीय सेना **के** विशिष्ट पैरा (विशेष बल), भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो (MARCOS) और **भारतीय वायु सेना के** गरुड़ (विशेष बल) **एक साथ आए।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इन इकाइयों ने संयुक्त मिशनों को अंजाम देते हुए, **कृत्रिम युद्ध वातावरण में अभ्यास** किया।

- **उद्देश्य और प्रमुख फोकस क्षेत्र:**
  - इस **अभ्यास का उद्देश्य तीन विशेष बल इकाइयों के बीच अंतर-संचालन, समन्वय एवं तालमेल को बढ़ाना** था।
  - इसमें उभरती सुरक्षा चुनौतियों पर त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
  - इस अभ्यास में **हाई-इंटेंसिटी वाले अभ्यास** शामिल थे, जिनमें शामिल हैं:
    - एयरबॉर्न इंसर्शन
    - प्रिसिज़न स्ट्राइक
    - बंधक बचाव अभियान
    - आतंकवाद विरोधी मिशन
    - कॉम्बैट फ्री-फॉल्स
    - अर्बन वॉरफेयर सिनेरियो
  - विशेष बलों ने अपनी युद्ध तत्परता का परीक्षण करने के लिये **वास्तविक परिस्थितियों में सैन्य अभ्यास** किया।
- **पर्यवेक्षण और रणनीतिक महत्त्व:**
  - वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने संयुक्त परिचालन सिद्धांतों को मान्य करने के लिये **अभ्यास का पर्यवेक्षण** किया।

इस अभ्यास ने **निर्बाध अंतर-सेवा सहयोग को बढ़ावा देकर** राष्ट्रीय सुरक्षा **के प्रति भारतीय सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता** को सुदृढ़ किया।

धन्वंतरी पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के **नाड़ी वैद्य ताराचंद शर्मा को** भारत सरकार द्वारा आयुर्वेद **के सर्वोच्च 'धन्वन्तरि' पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु:

- **पुरस्कार राशि:**
  - उन्हें पुरस्कार स्वरूप **पाँच लाख रुपए**, प्रशस्ति पत्र, शॉल और श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो।
- **आयोजन:**
  - वैद्य शर्मा को यह पुरस्कार 20 फरवरी 2025 को मुंबई (महाराष्ट्र) में धन्वंतरी पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान केंद्रीय **आयुषमंत्री द्वारा** प्रदान किया।
- **विजेता के बारे में:**
  - ताराचंद शर्मा **झुंझुनू ज़िले** के बिसाऊ कस्बे के निवासी हैं। इससे पहले भी वे आयुर्वेद क्षेत्र में अनेक पुरस्कार एवं उपाधियों से सम्मानित किये जा चुके हैं।
  - वे एक प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य हैं।
  - ताराचंद शर्मा द्वारा लिखित कई पुस्तकें विभिन्न आयुर्वेद विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में भी सम्मिलित हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

आयुर्वेद

- आयुर्वेद शब्द आयु और वेद से मिलकर बना है। आयु का अर्थ है जीवन, वेद का अर्थ है विज्ञान या ज्ञान, इस तरह आयुर्वेद का अर्थ है जीवन का विज्ञान।
- आयुर्वेद में सभी जीवित चीजें शामिल हैं, चाहे वे मानव हों या गैर-मानव।
- इसे तीन मुख्य शाखाओं में विभाजित किया गया है
  - **नर आयुर्वेद:** मानव जीवन से संबंधित।
  - **सत्व आयुर्वेद:** पशु जीवन और उसके रोगों से संबंधित।
  - **वृक्ष आयुर्वेद:** पौधे के जीवन, उसके विकास और रोगों से संबंधित।
- आयुर्वेद न केवल चिकित्सा की एक प्रणाली है, बल्कि पूर्ण सकारात्मक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक उपलब्धियों के लिये जीवन जीने का एक तरीका भी है।

आरोग्य मेला-2025

चर्चा में क्यों?

1 से 4 मार्च 2025 तक राजस्थान सरकार द्वारा 4 दिवसीय राज्य स्तरीय आरोग्य मेला का आयोजन शिल्पग्राम, **जवाहर कला केंद्र, जयपुर** में किया गया।

मुख्य बिंदु

- **मेले के बारे में:**
  - आयुष राज्यमंत्री ने कहा कि '**निरोगी राजस्थान**'की संकल्पना को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार प्रदेश में आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति को लगातार बढावा दे रही है, जिसके परिणामस्वरूप आयुष पद्धति के प्रति लोगों में रुचि बढ़ी है और यह एलोपैथी के मज़बूत विकल्प के रूप में उभर रही है। अन्य राज्यों के समक्ष राज्य सरकार की यह एक अनुकरणीय पहल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उद्देश्य**
  - इस मेले का उद्देश्य **आयुष चिकित्सा पद्धतियों** के प्रति **जन जागरूकता बढ़ाना**, **नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार** उपलब्ध कराना तथा **योग व प्राकृतिक चिकित्सा** के महत्त्व को उजागर कर **स्वस्थ जीवनशैली** को प्रोत्साहित करना था।
- **उपचार और परामर्श**
  - **आयुर्वेद**, **होम्योपैथी**, **यूनानी**, **योग एवं नेचुरोपैथी चिकित्सा पद्धतियों** के विशेषज्ञों द्वारा निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया।
  - मेले में **जलौका चिकित्सा, अग्निकर्म चिकित्सा, ऑस्टियोपैथी, मर्म चिकित्सा, कपिंग थैरेपी** आदि विशिष्ट **आयुष चिकित्सा विधाओं** से उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई।
  - **सौंदर्य विशेषज्ञों** द्वारा **सौंदर्य प्रसाधन क्लिनिक** पर **हर्बल चिकित्सा** व **प्राकृतिक साधनों** से **सौंदर्य बनाए रखने** की जानकारी दी गई।
- **पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी**
  - **आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग एवं यूनानी चिकित्सा** के क्षेत्र में **कौशल विकास एवं शैक्षिक अवसरों** के संबंध में **एम.डी., एम.एस., स्नातक डिग्री व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों** में प्रवेश प्रक्रिया व पात्रता की जानकारी प्रदान की गई।

वरुण सागर

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान **विधानसभा** अध्यक्ष ने अजमेर स्थित सुप्रसिद्ध फॉयसागर झील का नाम परिवर्तित कर 'वरुण सागर' किया।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अजमेर की फायसागर झील का नाम गुलामी का प्रतीक था। यह झील अजमेर के लोगों द्वारा बनाई गई थी और इसमें सिंधी सहित सभी समुदायों की धार्मिक व सामाजिक आस्था जुड़ी हुई है।
  - वरुण देवता सिंधी समाज सहित अन्य सभी समुदायों के आराध्य देव रहे हैं, इसलिये अब यह झील "वरुण सागर" के नाम से जानी जाएगी।
- **झील के बारे में:**
  - यह झील **अजमेर ज़िले** में स्थित एक कृत्रिम झील है।
  - इस झील का निर्माण **ब्रिटिश राज** के एक अंग्रेज़ अभियंता **फॉय** के निर्देशन में वर्ष 1891-1892 में बाढ़ और अकाल राहत परियोजना के तहत किया गया था।
  - यह राजस्थान की दूसरी अकाल राहत झील है, पहली **राजसमंद झील** है।

राजसमंद झील

- **परिचय**
  - यह राजस्थान का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। इसका निर्माण **17वीं शताब्दी में महाराणा राज सिंह** ने करवाया था।
  - इस झील को **राजसमंद झील के नाम से भी जाना जाता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- **निर्माण:**
  - झील का निर्माण **1662 में शुरू हुआ** और **1676 में पूरा हुआ।**
  - यह **राजस्थान का सबसे पुराना अकाल राहत कार्य था।**
  - यह झील **गोमती, केलवा और ताली नदियों पर बनाई गई थी।**
  - इसका **जलग्रहण क्षेत्र लगभग 196 वर्ग मील है।**
- **विशेषताएँ:**
  - यह झील 4 मील लंबी, 1.7 मील चौड़ी और 60 फीट गहरी है।
  - दक्षिणी छोर पर स्थित **सफेद संगमरमर के तटबंध को नौचौकी** कहा जाता है।
  - झील तक जाने वाले घाटों या पत्थर की सीढ़ियों पर मेवाड़ के इतिहास के बारे में शिलालेख अंकित हैं।
  - बाँध के ऊपर स्थित **राज-प्रशस्ति दृश्य में संस्कृत में दुनिया का सबसे लंबा और सबसे बड़ा पत्थर का शिलालेख है।**

उदय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट

चर्चा में क्यों

1 मार्च से 7 मार्च 2025 तक **बीकानेर** में चतुर्थ राज्य स्तरीय **उदय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट** का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- **टूर्नामेंट के बारे में:**
  - इस टूर्नामेंट का आयोजन मास्टर उदय क्लब द्वारा पुष्करणा स्टेडियम में दूधिया रोशनी में किया जा रहा है।
  - इस टूर्नामेंट में कुल 11 मैच खेले जाएंगे।
  - इस टूर्नामेंट में अब तक 12 टीमों ने प्रवेश लिया है। जिनमें बीकानेर, जोधपुर, जयपुर की दो-दो एवं श्रीगंगानगर हनुमानगढ़ कोटा, अजमेर, नागौर और करौली की एक-एक टीम शामिल है।

बीकानेर के बारे में

- **स्थापना:**
  - बीकानेर की स्थापना सन् 1488 ई. में, राठौड़ **राजकुमार राव बीकाजी** ने की थी।
- **भौगोलिक स्थिति:**
  - अक्षांश 28.01° उत्तर और रेखांश 73.9° पूर्व पर स्थित।
- **भौगोलिक विशेषता:**
  - रेगिस्तानी ज़िला, उत्तर-पूर्व राजस्थान में स्थित।
  - बीकानेर में कोई नदी नहीं है।
- **दर्शनीय स्थल:**
  - **करणी माता का मंदिर:** चूहों के मंदिर के रूप में प्रसिद्ध।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मुकाम मंदिर**: बिश्नोई सम्प्रदाय का मुख्य धार्मिक स्थल।
- जूनागढ़ **किला**: राजस्थान के सबसे सुंदर किलों में से एक।
- **भांडशाह जैन मंदिर**: शहरी परकोटे के भीतर स्थित प्राचीन जैन मंदिर।
- **लूणकरनसर** - खारे पानी की झील।
- **गजनेर अभयारण्य** - बटबट(इम्पीरियल सेंडगाउज, रेत का तीतर) पक्षी तथा जंगली सुअर के लिये प्रसिद्ध है।

- **सभ्यताएँ:**
  - सोथी, पूंगल, डाडाथोरा प्राचिन सभ्यताएँ बीकानेर में है।
- **ऊँट अनुसंधान केंद्र:**
  - दुनियाँ का सबसे बड़ा ऊँट अनुसंधान और प्रजनन केंद्र बीकानेर (1984) में है।
    - बीकानेर में हर साल जनवरी में ऊँट महोत्सव का आयोजन होता है।

सर्कुलरिटी के लिये शहरों का गठबंधन (C-3)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने सर्कुलरिटी के लिये शहरों का **गठबंधन (C-3)** की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **गठबंधन (C-3) के बारे में:**
  - यह सतत शहरी विकास **के लिये** शहर-दर-शहर सहयोग, ज्ञान-साझाकरण और निजी क्षेत्र की साझेदारी के लिये एक बहुराष्ट्रीय गठबंधन है।
  - इसका उद्देश्य **एशिया-प्रशांत क्षेत्र के नगरों** को अपशिष्ट प्रबंधन एवं **संसाधन दक्षता** से जुड़ी चुनौतियों के समाधान में सहयोग प्रदान करना है।
  - भारत के प्रधानमंत्री ने C-3 **गठबंधन** की **संरचना** एवं **परिचालन रूपरेखा** को अंतिम रूप देने हेतु **सदस्य देशों के एक कार्य समूह** के गठन का प्रस्ताव रखा, जिससे इस पहल को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सके।
- **घोषणा:**
  - इसकी घोषणा **जयपुर में** एशिया और **प्रशांत क्षेत्र** में 12 वें क्षेत्रीय 3R और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के के दौरान की गई थी।
  - जयपुर में आयोजित उद्घाटन समारोह में CITIIS 2.0 के लिये एक महत्त्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये गये, जो शहरी स्थिरता पहलों में एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में स्थापित होगा।
  - इस पहल के तहत सिटी इन्वेस्टमेंट्स टू इनोवेट, इंटीग्रेट एंड सस्टेन 2.0 (CITIIS 2.0) के लिये **1,800 करोड़ रुपए** के समझौतों की घोषणा की गई, जिससे **14 राज्यों के 18 नगरों** को लाभ मिलेगा।
- **12वीं क्षेत्रीय फोरम बैठक**
  - यह एक क्षेत्रीय मंच है जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में **3R (Reduce, Reuse, Recycle)** सिद्धांतों और सर्कुलर अर्थव्यवस्था **की** प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह संसाधन दक्षता रणनीतियों को आगे बढ़ाने के लिये नीति निर्माताओं, उद्योग के नेताओं, शोधकर्त्ताओं और भागीदारों को एक साथ लाता है।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:** इसे 3R सिद्धांतों और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देने के लिये 2009 में लॉन्च किया गया था।
- हनोई 3R घोषणा (2013-2023) ने संसाधन-कुशल और **सर्कुलर** अर्थव्यवस्था के लिये 33 स्वैच्छिक लक्ष्य निर्धारित किये हैं।
- **विषय:** एशिया-प्रशांत में SDG और कार्बन तटस्थता प्राप्त करने की दिशा में **चक्रीय समाजों** को साकार करना।
- **उद्देश्य:** संसाधन-कुशल, कम कार्बन और लचीले एशिया-प्रशांत के लिये स्वैच्छिक, गैर-बाध्यकारी "3R और सर्कुलर अर्थव्यवस्था घोषणा (2025-2034)" पर चर्चा करना और सहमति बनाना।

सर्कुलर अर्थव्यवस्था

- **चक्रीय अर्थव्यवस्था** एक ऐसी प्रणाली है, जहाँ **सामग्री कभी भी अपशिष्ट में परिवर्तित नहीं होती** और **प्राकृतिक संसाधनों का पुनरुद्धार** संभव होता है।
- इस प्रणाली में **उत्पादों एवं सामग्रियों** को **रखरखाव, पुन: उपयोग, नवीनीकरण, पुनर्निर्माण, पुनर्चक्रण** और **खाद निर्माण** जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से सतत् परिसंचरण में बनाए रखा जाता है।
- चक्रीय अर्थव्यवस्था का उद्देश्य **सीमित संसाधनों के अत्यधिक दोहन से मुक्त आर्थिक विकास** को प्रोत्साहित करना है।
- यह जलवायु परिवर्तन, जैवविविधता की हानि, अपशिष्ट प्रबंधन और प्रदूषण जैसी वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने में सहायक सिद्ध होती है।

माही-लूनी लिंक परियोजना

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के जल संसाधन मंत्री ने विधानसभा को बताया कि वेपकोस (WAPCOS) **माही नदी को लूनी नदी** से जोड़ने के लिये पश्चिमी राजस्थान नहर परियोजना के लिये व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

- WAPCOS लिमिटेड, **जल शक्ति मंत्रालय** के तहत एक "मिनी रत्न-I" सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो भारत और विदेशों में जल, बिजली और बुनियादी ढाँचा क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रौद्योगिकी-आधारित परामर्श और इंजीनियरिंग समाधान प्रदान करता है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** इस परियोजना का प्रमुख उद्देश्य है:
  - माही नदी के अधिशेष जल का उपयोग करना।
  - जल-संकटग्रस्त जालौर ज़िले तक पानी पहुँचाना।
  - जल स्रोतों का पुनर्भरण कर जल संरक्षण को बढ़ावा देना।
  - कृषि और पेयजल आपूर्ति में सुधार करना।
- **तकनीकी और कार्यान्वयन पहलू:** सरकार द्वारा परियोजना की व्यवहार्यता (फिजिबिलिटी) रिपोर्ट वेपकॉस के माध्यम से तैयार कराई जा रही है। इसके अंतर्गत—
  - **माही नदी से लूनी नदी को जोड़ने के लिये अध्ययन** किया जा रहा है।
  - सुजलाम-सुफलाम परियोजना के माध्यम से जल आपूर्ति के विभिन्न विकल्पों का परीक्षण किया जा रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **रन-ऑफ वाटर ग्रिड** योजना के तहत बाँधों के पुनर्भरण की योजना बनाई जा रही है।
- **डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) और पीएफआर (प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट)** तैयार की जा रही हैं।

माही नदी

- माही नदी भारत की प्रमुख पश्चिमवाहिनी अंतरराज्यीय नदियों में से एक है, जो मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात राज्यों में प्रवाहित होती है। इसका कुल जल निकासी क्षेत्र 34,842 वर्ग किमी में फैला हुआ है।
- **माही** भारत की एकमात्र नदी है, जो कर्क रेखा को **दो बार** पार करती है।

उत्पत्ति और प्रवाह मार्ग:

- यह नदी मध्य प्रदेश के धार ज़िले में भोपावर गाँव के निकट, **विंध्याचल पर्वतमाला** की उत्तरी ढलान से लगभग 500 मीटर की ऊँचाई से निकलती है।
- प्रारंभिक 120 किलोमीटर तक यह नदी दक्षिण दिशा में मध्य प्रदेश में प्रवाहित होती है, जिसके बाद यह राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी वागड़ क्षेत्र में प्रवेश करती है।
- बांसवाड़ा ज़िले से होकर बहने के दौरान **यह राजस्थान में एक विशिष्ट 'U' आकार का** मोड़ बनाती है।
- गुजरात में प्रवेश करने के **पश्चात, माही नदी खंभात की खाड़ी के माध्यम से अरब सागर में विलीन हो** जाती है।
- इसकी कुल लंबाई 583 किलोमीटर है।

लूनी नदी

- **उद्गम और प्रवाह मार्ग**
  - लूनी नदी का उद्गम राजस्थान के **अजमेर ज़िले में** स्थित **अरावली पर्वतमाला के नाग पहाड़** से होता है।
  - इसके उद्गम स्थल पर इसे पहले सागरमती, फिर सरस्वती और अंतत: लूनी कहा जाता है। यह नदी केवल वर्षा ऋतु में प्रवाहित होती है।
  - यह नदी लगभग 320 किलोमीटर की यात्रा करते हुए दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के नागौर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर और जालौर ज़िलों से प्रवाहित होकर अंतत: **कच्छ के रण** में विलुप्त हो जाती है।
- **अन्य नाम:**
  - इस नदी को विभिन्न नामों से जाना जाता है, जैसे—साक्री, लवणवती, लवणाद्रि और खारी-मीठी नदी।
- **सहायक नदियाँ**
  - लीलड़ी, सूकड़ी, बांडी, मीठड़ी, जोजरी, जवाई, सगाई आदि। दाई और से मिलने वाली एकमात्र सहायक नदी जोजड़ी है।

IIFA अवॉर्ड्स 2025

चर्चा में क्यों ?

8 से 9 मार्च, 2025 तक **जयपुर** में **अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (IIFA) पुरस्कार 2025** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **आयोजन के बारे में:**
  - इस भव्य कार्यक्रम में भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों को सम्मानित करते हुए अपनी 25वीं वर्षगाँठ मनाई गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **किरण राव की सोशल ड्रामा फिल्म लापता लेडीज़ को सर्वाधिक पुरस्कार मिले,** जिसमें **सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक** सहित कई पुरस्कार शामिल हैं।
- कार्तिक आर्यन ने फिल्म भूल भुलैया 3 के लिये सर्वश्रेष्ठ मुख्य भूमिका (पुरुष) का पुरस्कार जीता, जबकि राघव जुयाल ने फिल्म किल के लिये सर्वश्रेष्ठ नकारात्मक भूमिका का पुरस्कार जीता।

- **आईफा पुरस्कार**
  - **अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फ़िल्म अकादमी पुरस्कार**, जिसे आमतौर पर IIFA के नाम से जाना जाता है, हिंदी सिनेमा के लिये एक वार्षिक पुरस्कार समारोह है।
  - पुरस्कार के विजेताओं का निर्णय प्रशंसकों द्वारा किया जाता है, जो भारतीय हिंदी फ़िल्म उद्योग से अपने पसंदीदा अभिनेताओं के लिये ऑनलाइन वोट करते हैं।
    - हालाँकि, IIFA किसी भी सबमिशन या उपलब्धि को अयोग्य घोषित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
- **पहला IIFA समारोह वर्ष 2000 में यूनाइटेड किंगडम के लंदन में आयोजित किया गया था।** तब से, यह पुरस्कार दुनिया भर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किये जाते रहे हैं, जो हिंदी सिनेमा की अंतर्राष्ट्रीय सफलता को दर्शाता है।

आईफा पुरस्कार 2025 के विजेताओं की सूची

वर्ग	विजेता	फिल्म
सर्वश्रेष्ठ पिक्चर	लापाता लेडीज़	लापाता लेडीज़
अग्रणी भूमिका में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (पुरुष)	कार्तिक आर्यन	भूल भुलैया 3
सर्वश्रेष्ठ मुख्य भूमिका प्रदर्शन (महिला)	नितांशी गोयल	लापाता लेडीज़
नकारात्मक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन	राघव जुयाल	किल
सहायक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (महिला)	जानकी बोदीवाला	शैतान
सहायक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (पुरुष)	रवि किशन	लापाता लेडीज़
लोकप्रिय श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ कहानी (मूल)	बिप्लब गोस्वामी	लापाता लेडीज़
सर्वश्रेष्ठ कहानी (रूपांतरित)	श्रीराम राघवन, अरिजीत विश्वास, पूजा लाधा सुरती, अनुकृति पांडे	क्रिसमस की बधाई
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन पदार्पण	कुणाल खेमू	मडगांव एक्सप्रेस
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक	राम संपत	लापाता लेडीज़
सर्वश्रेष्ठ गीत	प्रशांत पांडे	सजनी (लापता लेडीज़)
सर्वश्रेष्ठ गायक (पुरुष)	जुबिन नौटियाल	दुआ (अनुच्छेद 370)
सर्वश्रेष्ठ गायिका (महिला)	श्रेया घोषाल	अमी जे तोमार 3.0 (भूल भुलैया 3)
सर्वश्रेष्ठ पटकथा	स्नेहा देसाई	लापाता लेडीज़

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2025

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राजस्थान मंत्रिमंडल ने राज्य के कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने और विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं उनके अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिये '**राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक-2025** को मंज़ूरी दी।

मुख्य बिंदु

- यह विधेयक **राज्य सरकार के नियंत्रण में आने वाले सभी सरकारी विभागों, स्वायत्त निकायों और संस्थानों** पर लागू होगा।
- राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक-2025 के तहत सभी कोचिंग संस्थानों के लिये **पंजीकरण अनिवार्य** कर दिया गया है। विशेष रूप से, **50 या अधिक छात्रों वाले कोचिंग संस्थान कानूनी** जाँच के दायरे में आएंगे। इसके अलावा, नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिये एक **विशेष नियामक प्राधिकरण गठित** किया जाएगा।
- **विधेयक का उद्देश्य:**
  - **इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छात्रों के अधिकारों की रक्षा करना और उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना है।**
  - यह कोचिंग संस्थानों में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के साथ-साथ छात्रों के लिये सुरक्षित और सहयोगी वातावरण प्रदान करने पर केंद्रित है।
- **पारदर्शिता और निगरानी:**
  - कोचिंग संस्थानों की पारदर्शिता और निगरानी के लिये **राज्य स्तरीय पोर्टल और 24x7 हेल्पलाइन** की स्थापना की जाएगी, जिससे छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता और अन्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी।
- **दंड और अनुपालन:**
  - नियमों के उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान किया गया है, जिसमें **पहले अपराध पर ₹2 लाख, दूसरे अपराध पर ₹5 लाख का जुर्माना और बार-बार उल्लंघन करने पर पंजीकरण रद्द करने का दंड शामिल है।**

पोषण अभियान

चर्चा में क्यों ?

8 मार्च 2025 को पोषण अभियान ने अपने सात वर्ष पूरे किये, जिसके तहत देशभर में पोषण स्तर सुधारने और कुपोषण उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय प्रयास किये गए।

मुख्य बिंदु

- **पोषण अभियान के बारे में:**
  - पोषण अभियान (पूर्ववर्ती राष्ट्रीय पोषण मिशन) का शुभारंभ प्रधानमंत्री द्वारा **8 मार्च, 2018** को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर **राजस्थान के झुंझुनू** से किया गया था
  - यह लक्षित एवं एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं बच्चों (0-6 वर्ष) **की पोषण संबंधी आवश्यकताओं** को पूरा करने पर केंद्रित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य **स्टंटिंग, कुपोषण,** एनीमिया (छोटे बच्चों, महिलाओं एवं किशोरियों में) को कम करना तथा **जन्म के समय कम वज़न वाले बच्चों की संख्या में कमी** लाना है।
- **रणनीतिक स्तंभ:** इसका क्रियान्वयन **चार रणनीतिक स्तंभों** पर आधारित है:
  - **गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ:** बालक के आरंभिक **1,000 दिनों** पर ध्यान केंद्रित करते हुए ICDS, NHM और PMMVY के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण करना।
  - **क्षेत्रों के बीच समन्वय: समग्र पोषण** के लिये **जल एवं स्वच्छता** जैसे मंत्रालयों के प्रयासों में समन्वय करना।
    - नीति आयोग के निर्देशन में भारत की पोषण चुनौतियों पर राष्ट्रीय परिषद नीति का मार्गदर्शन करती है तथा पोषण अभिसरण की तिमाही समीक्षा करती है।
  - **प्रौद्योगिकी:** वास्तविक समय में आँकड़ों और निगरानी के लिये पोषण ट्रैकर का उपयोग करना है तथा आँगनवाड़ी सेवाओं के वितरण का सुदृढ़ीकरण के लिये **ICDS-कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर** का उपयोग किया जाना।
  - **जन आन्दोलन: समुदाय द्वारा संचालित पोषण जागरूकता** और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना।
- **अभियान की प्रमुख उपलब्धियाँ**
  - दिसंबर 2023 के **पोषण ट्रैकर** के आँकड़ों के अनुसार, छह वर्ष से कम आयु के लगभग **7.44 करोड़ बच्चों** का मूल्यांकन किया गया, जिसमें **36% बच्चे** बौने (Stunted), **17% बच्चे** कम वजन (Underweight) के और **5 वर्ष से कम आयु के 6% बच्चे** कमज़ोर (Wasted) पाए गए।
  - राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (NFHS-5) 2019-21 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, NFHS-4 (2015-16) की तुलना में **पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों** के पोषण संकेतकों में सुधार दर्ज किया गया है—
    - **बौनापन** 38.4% से घटकर 35.5% हो गया।
    - **कुपोषण** 21.0% से घटकर 19.3% हो गया।
    - **कम वजन** का प्रचलन 35.8% से घटकर 32.1% हो गया।

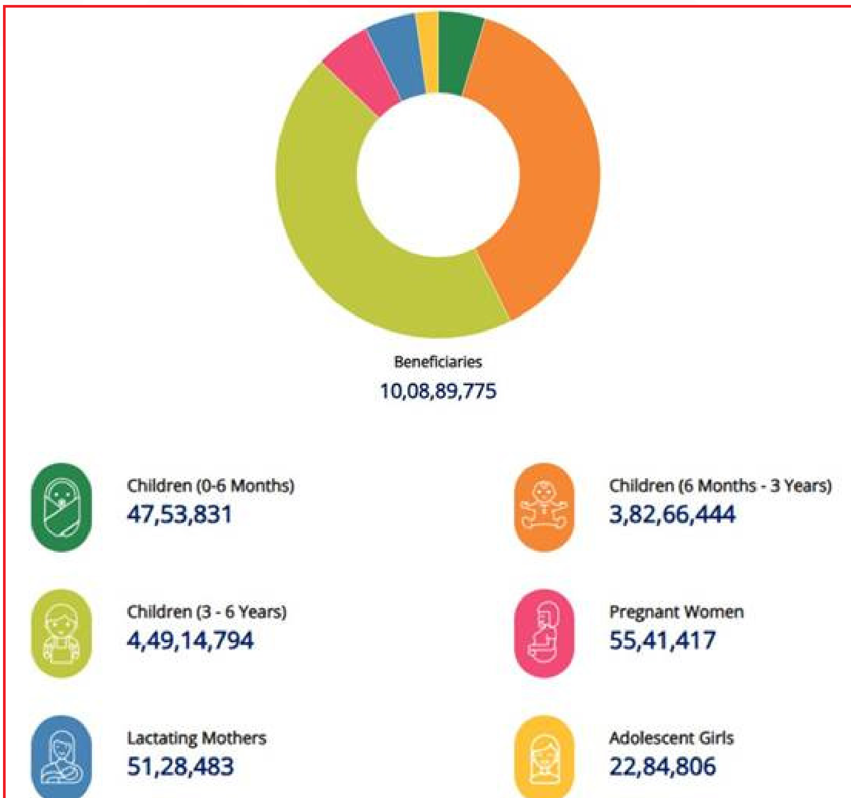

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM)

- NHM को भारत सरकार द्वारा 2013 में **राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन** (2005 में शुरू) और **राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन** (2013 में शुरू) को सम्मिलित करके शुरू किया गया था।
- मुख्य कार्यक्रम घटकों में **ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रजनन-मातृ-नवजात-शिशु और किशोर स्वास्थ्य (RMNCH+A)** तथा संचारी और गैर-संचारी रोगों के लिये स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाना शामिल है।
- NHM का लक्ष्य **समतापूर्ण, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना है**, जो लोगों की आवश्यकताओं के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी हों।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)

- **PMMVY** एक **मातृत्व लाभ कार्यक्रम है,** जिसे 1 जनवरी, 2017 से देश के सभी ज़िलों में क्रियान्वित किया जा रहा है।
- यह एककेंद्र **प्रायोजित योजना** है जिसका क्रियान्वयन **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा** किया जा रहा है।
- **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना:**
  - **गर्भवती महिला**ओं को उनकी बढ़ी हुई पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा मज़दूरी की हानि की आंशिक भरपाई के लिये सीधे उनके बैंक खाते में नकद लाभ प्रदान किया जाता है।

कौशल विकास नीति-2025

चर्चा में क्यों?

9 मार्च 2025 को **राजस्थान** मंत्रिमंडल ने राज्य में युवाओं के कौशल विकास और रोज़गार सृजन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से **राजस्थान कौशल विकास नीति-2025** को मंजूरी दी।

मुख्य बिंदु

- **नीति के बारें में:**
  - इस नीति का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक **औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित करना** और उन्हें **रोज़गार के नए अवसर उपलब्ध कराना है।**
    - इसके अतिरिक्त इसका उद्देश्य **वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा** के लिये कार्यबल तैयार करते हुए औद्योगिक विकास **में तेज़ी** लाना है।
- **पहल और विशेषताएँ**
  - **औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITI) का आधुनिकीकरण:** राज्य सरकार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को उद्योग की नवीनतम आवश्यकताओं के अनुसार अपडेट करेगी। इसमें नए पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण मॉड्यूल और ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण शामिल होगा, जिससे युवाओं को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।
  - **मॉडल कैरियर केंद्रों की स्थापना:** राज्य के सभी संभागीय मुख्यालयों में मॉडल कैरियर केंद्र स्थापित किये जाएंगे, जो युवाओं को करियर परामर्श, इंटर्नशिप और रोज़गार के अवसरों से जोड़ने में मदद करेंगे। ये केंद्र छात्रों और उद्योगों के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करेंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षण:** इस नीति के तहत युवाओं को स्वचालन (Automation), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग, स्मार्ट विनिर्माण और **साइबर सुरक्षा** जैसी आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा।
- **स्थानीय औद्योगिक क्लस्टर प्रशिक्षण केंद्र:** राज्य के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में स्थानीय प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किये जाएंगे, ताकि वहाँ की विशेष औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुसार श्रमिकों को प्रशिक्षित किया जा सके। इससे स्थानीय उद्योगों को कुशल मानव संसाधन मिलेगा और रोज़गार के अवसर भी बढ़ेंगे।
- **पुन: कौशल (Reskilling) और कौशल उन्नयन (Upskilling):** नीति के तहत श्रमिकों और कर्मचारियों के कौशल उन्नयन और पुन: कौशल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे वे बदलते औद्योगिक परिवेश के अनुरूप खुद को ढाल सकें और नए तकनीकी रुझानों के साथ तालमेल बना सकें।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)

- **पृष्ठिभूमि**
  - सरकार द्वारा वर्ष 2015 में कौशल भारत मिशन शुरू किया गया था, जिसके तहत प्रमुख रूप से **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)** चलाई गई है।
- **उद्देश्य**
  - इसका उद्देश्य वर्ष 2022 तक भारत में 40 करोड़ से अधिक लोगों को विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षित करना है एवं समाज में बेहतर आजीविका और सम्मान के लिये भारतीय युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण व प्रमाणन प्रदान करना है।
    - कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) द्वारा PMKVY का कार्यान्वयन किया गया है।

पाटली नदी

चर्चा में क्यों ?

13 मार्च, 2025 को राजस्थान के शिक्षा मंत्री ने कोटा में **पाटली नदी** के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **पाटली नदी के बारे में:**
  - पाटली नदी **37 किलोमीटर** लंबी नदी है, जो **मध्यप्रदेश के मंदसौर ज़िले** से उद्गमित होकर **नीमथुर की पहाड़ी** से निकलकर **रामगंजमंडी (राजस्थान)** में प्रवेश करती है, जहाँ इसका लगभग **12 किलोमीटर** का प्रवाह क्षेत्र है।
  - अंतत: यह नदी **सुकेत की आहु नदी** में विलय हो जाती है।
- **नदी का जीर्णोद्धार:**
  - 5 करोड़ की लागत से विलुप्त हो चुकी पाटली नदी को पुनर्जीवित किया जाएगा।
  - इस परियोजना के तहत नदी की तलछट में जमे **मलबे, काँच, पत्थर के टुकड़ों व अन्य अपशिष्ट** पदार्थों को निकाला जाएगा।
  - इसकी **चौड़ाई लगभग 40 मीटर की जाएगी** और इसके **किनारों का सुदृढ़ीकरण** किया जाएगा।
  - नदी के किनारों पर उपयुक्त स्थान का चयन कर घाटों का निर्माण कराया जाएगा तथा कुछ स्थानों पर जल भराव के लिये बेड का निर्माण भी कराया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **महत्त्व:**
  - नदी का जीर्णोद्धार होने से **40 गाँवों की लगभग 7050 हेक्टेयर कृषि भूमि** को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।
  - **प्राकृतिक जल प्रवाह** पुन: स्थापित होगा।
  - इससे **आस-पास के खेतों में जलभराव की समस्या** कम होगी
  - भू-कटाव और मिट्टी के क्षरण को नियंत्रित किया जा सकेगा।

कोटा के बारे में:

- **परिचय:**
  - प्रारम्भिक शासक **कोटिया भील** के नाम पर इसका नाम कोटा पड़ा।
  - इसे **राजस्थान का कानपुर, औद्योगिक नगरी एवं शिक्षा नगरी** के नाम से भी जाना जाता है।
  - यह शहर **चंबल नदी के तट पर** स्थित है।
  - **जवाहर सागर बांध (चंबल नदी)** और **हरिशचंद्र सागर (काली सिंध नदी)** कोटा में ही स्थित हैं
  - जयपुर और जोधपुर के बाद यह राजस्थान का **तीसरा बड़ा शहर है।**
- **साक्षरता**
  - 2011 की जनगणना के अनुसार यह राजस्थान का **सर्वाधिक** साक्षरता **(76.6%)** वाला ज़िला है।
- **प्रमुख दर्शनीय स्थल**
  - **मुकुंदवाड़ा की पहाड़ियाँ**- कोटा व झालावाड़ के बीच स्थित।
  - **विभीषण मंदिर** - भारत का **एकमात्र विभीषण मंदिर**, कैथून में स्थित।
  - **मथुराधीश मंदिर** – **वैष्णव संप्रदाय** का प्रमुख तीर्थ स्थल।
  - **कंसुआ का शिव मंदिर**– 8वीं शताब्दी में निर्मित, यहाँ सूर्य की पहली किरण सीधे शिवलिंग पर पड़ती है।
  - **गेपरनाथ शिवालय**- एक गुप्तकालीन शिवालय है।
  - **सर्प उद्यान- राजस्थान का एकमात्र सर्प उद्यान है।**

राजस्थान में सहकारी समितियाँ

चर्चा में क्यों ?

जाम्बिया के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान में सहकारी बैंकों **और** समितियों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया।

मुख्य बिंदु

- **अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025** के तहत, विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल अन्य देशों का दौरा कर उनकी सहकारी व्यवस्थाओं का अध्ययन कर रहे हैं।
- **प्रतिनिधिमंडल** ने **जयपुर केंद्रीय सहकारी बैंक, अपेक्स बैंक, बीलवा ग्राम सेवा सहकारी समिति एवं बड़ का बालाजी प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति** का दौरा कर सहकारी योजनाओं को सफल बनाने के लिये किये गए प्रयासों को समझा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- प्रतिनिधिमंडल को सहकारी आंदोलन **की प्रभावशीलता** और **राज्य में सहकारी संस्थाओं की भूमिका** के बारे में जानकारी दी गई।
- **राजस्थान के प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक** द्वारा चलाए जा रहे **गैर-कृषि क्षेत्र के बकाया ऋणों की वसूली अभियान** पर भी चर्चा हुई।
- इस अवसर पर **जाम्बिया के प्रतिनिधियों** ने भी अपने देश की **सहकारी नीतियों और कार्यक्रमों** की जानकारी साझा की, जिससे दोनों देशों के बीच **सहकारी क्षेत्र में अनुभवों का आदान-प्रदान** संभव हुआ।

सहकारी समितियाँ:

- **परिचय:**
  - सहकारिताएँ जन-केंद्रित उद्यम हैं जिनका स्वामित्व, नियंत्रण और संचालन उनके सदस्यों द्वारा उनकी सामान्य आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये किया जाता है।
  - सहकारी संस्थाएँ लोगों को **लोकतांत्रिक और समान तरीके** से एक साथ लाती है। सदस्य चाहे ग्राहक हों, कर्मचारी हों, उपयोगकर्त्ता हों या निवासी हों, **सहकारी समितियों का प्रबंधन लोकतांत्रिक तरीके से 'एक सदस्य, एक वोट' नियम द्वारा किया जाता है।**
    - उद्यम में किये गए पूंजी निवेश की परवाह किये बिना सदस्यों को समान मतदान अधिकार प्राप्त है।
- **भारतीय परिप्रेक्ष्य:**
  - वर्तमान में भारत में 90 प्रतिशत गाँवों को कवर करने वाली 8.5 लाख से ज़्यादा सहकारी समितियों के नेटवर्क के साथ ये ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में समावेशी विकास के उद्देश्य से सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र के विकास के लिये महत्त्वपूर्ण संस्थान हैं।
- **संवैधानिक प्रावधान:**
  - 97वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2011 के द्वारा सहकारी समितियों को संवैधानिक दर्जा दिया गया।

सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के जंगलों में लगी आग से **वन्यजीवों के अस्तित्व पर** गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

मुख्य बिंदु

- **अभयारण्य के बारे में:**
  - **यह अभयारण्य** राजस्थान के **उदयपुर** ज़िले में अरावली पर्वतमाला में स्थित है, जो अपनी समृद्ध जैवविविधता और ऐतिहासिक **सज्जनगढ़ पैलेस** के लिये प्रसिद्ध है।
  - यह अभयारण्य **5.19 वर्ग किलोमीटर** में फैला हुआ है और इसकी सुरक्षा के लिये **किशन पोल** नामक चट्टानी दीवार बनाई गई थी।
- **वन्यजीव और वनस्पति**
  - यह अभयारण्य **चीतल, पैंथर, नीलगाय, सियार, जंगली सूअर, लकड़बग्घा और सांभर** सहित कई वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास है।
  - इसके अलावा यहाँ **पक्षियों और सरीसृपों** की भी एक विस्तृत श्रृंखला पाई जाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **जियान झील**
  - यहाँ स्थित जीयान झील (जिसे **टाइगर झील** या **बारी झील** भी कहा जाता है) अभयारण्य के लिये जल संसाधन का कार्य करती है।
    - **वर्ष 1664 में महाराणा राज सिंह** द्वारा निर्मित यह झील **1.25 वर्ग मील** में फैली हुई है और इसकी जल भंडारण क्षमता **400 मिलियन क्यूबिक फीट** है।
- **ऐतिहासिक महत्त्व**
  - यह **वर्ष 1884 में निर्मित सज्जनगढ़ पैलेस (जिसे मानसून पैलेस के नाम से भी जाना जाता है)** का एक हिस्सा है। महल का नाम **मेवाड़ राजवंश** के शासकों में से एक महाराणा सज्जन सिंह के नाम पर रखा गया है।
    - **वर्ष 1987 में इस क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य में बदल दिया गया।**

अरावली पर्वतमाला के बारे में:

- **परिचय:**
  - **अरावली पर्वतमाला** गुजरात से राजस्थान होते हुए दिल्ली तक विस्तृत है जिसकी **लंबाई 692 किमी.** है और **चौड़ाई 10 से 120 किमी.** के बीच है।
    - यह पर्वतमाला एक प्राकृतिक **हरित दीवार (green wall) के रूप में** कार्य करती है, जिसका **80% हिस्सा राजस्थान** में और **20% हरियाणा, दिल्ली और गुजरात में** स्थित है।
  - अरावली पर्वतमाला दो मुख्य पर्वतमालाओं में विभाजित है - **राजस्थान में सांभर सिरोही पर्वतमाला और सांभर खेतड़ी पर्वतमाला**, जहाँ इनका विस्तार लगभग 560 किमी. है।
  - यह **थार रेगिस्तान और गंगा के मैदान** के बीच एक **इकोटोन** के रूप में कार्य करती है।
    - इकोटोन वे क्षेत्र हैं, **जहाँ दो या दो से अधिक पारिस्थितिकी तंत्र, जैविक समुदाय या जैविक क्षेत्र** मिलते हैं।
  - इस पर्वतमाला की **सबसे ऊँची चोटी गुरुशिखर (राजस्थान)** है, जिसकी ऊँचाई 1,722 मीटर है।

गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स 2025

चर्चा में क्यों?

18 मार्च, 2025 को राजस्थान चिकित्सा सेवा निगम (RMSCL) को **ET गवर्नमेंट डिजिटेक अवार्ड 2025** से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
  - यह पुरस्कार **राजस्थान चिकित्सा सेवा निगम (RMSCL)** को **डिजिटल तकनीक** के माध्यम से **ऑक्सीजन संसाधन प्रबंधन** को सुदृढ़ करने के लिये प्रदान किया गया है।
  - इसका उद्देश्य **चिकित्सा सेवाओं में नवाचार,** डिजिटलीकरण **और प्रभावी संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देना** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **राजस्थान चिकित्सा सेवा निगम (RMSCL)**
  - **यह राज्य सरकार** द्वारा संचालित सार्वजनिक उपक्रम है, जिसे **राजस्थान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़** करने के लिये स्थापित किया गया है।
  - इसकी स्थापना वर्ष **2011 में राजस्थान सरकार** द्वारा की गई थी।
  - इसका मुख्य कार्य **राज्य में आवश्यक औषधियों, चिकित्सा उपकरणों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करना** है।
- **गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स**
  - **ET गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स** को **केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** का समर्थन प्राप्त है।
  - ये पुरस्कार उन अग्रदूतों को प्रदान किये जाते हैं, जिन्होंने **सार्वजनिक सेवाओं में डिजिटल परिवर्तन** को दिशा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
  - इस समारोह में **पूरे भारत से 30 विजेताओं** को सम्मानित किया गया। विभिन्न श्रेणियों में **गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना, ओडिशा, केरल, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा** सहित कई राज्यों को भी पुरस्कार प्रदान किये गये।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने "पंडित दीनदयाल उपाध्याय **गरीबी मुक्त गाँव योजना**" के तहत प्रदेश के 5000 गाँवों को गरीबी मुक्त बनाने की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - इस योजना के अंतर्गत चिह्नित गाँवों के सभी बीपीएल परिवारों को **गरीबी रेखा से ऊपर** लाने के उद्देश्य से **300 करोड़ रुपए** की धनराशि स्वीकृत की है।
  - इसके तहत **अवैध कॉलोनियों** में रहने वाले लोगों को **पट्टे प्रदान किये जाएंगे।**
  - योजना के **प्रथम चरण** में **5,000 गाँवों** को शामिल किया जाएगा, जहाँ सरकार द्वारा **विकास योजनाओं, स्वरोजगार के अवसरों, कौशल विकास कार्यक्रमों** तथा **वित्तीय सहायता** की व्यवस्था की जाएगी।
  - इसके अतिरिक्त, **प्रमुख ज़िला सड़कों (MDR)** के माध्यम से गाँवों को **बेहतर परिवहन सुविधाएँ** प्रदान की जाएंगी, जिससे संपर्क और आजीविका के अवसरों में वृद्धि होगी।
- **उद्देश्य**
  - यह पहल **ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करेगी** और **राज्य को गरीबी मुक्त बनाने** की दिशा में एक **महत्त्वपूर्ण कदम** होगी।
  - सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को **आत्मनिर्भर बनाना** तथा गरीबी उन्मूलन करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पंडित दीनदयाल उपाध्याय

- **परिचय:** इनका जन्म **25 सितंबर 1916** को हुआ और यह भारतीय **राजनीतिज्ञ, दार्शनिक** और **RSS एवं भारतीय जनसंघ (BJS)** (भारतीय जनता पार्टी के पूर्ववर्ती) के विचारक अथवा सिद्धांतकार थे।

- **योगदान:** उन्होंने **अंत्योदय** अर्थात समाज में सबसे आखिरी व्यक्ति के उत्थान और **सर्वाधिक सुविधावंचितों** की आवश्यकताओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया।
    - यह **"समग्र मानवतावाद" दर्शन** के प्रणेता थे जिसमें कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया।
- **मान्यता:** राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के सम्मान में **वर्ष 2014 से 25 सितंबर** को उनकी जयंती को **अंत्योदय दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
    - **वर्ष** 2015 में, **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM)** के नाम में परिवर्तन कर इसे **दीनदयाल अंत्योदय योजना-NRLM** कर दिया गया।
    - वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश में **मुगलसराय जंक्शन** का नाम बदलकर उनके नाम पर रखा गया।

एकमुश्त समझौता योजना

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने **किसानों एवं लघु उद्यमियों** के लिये **एकमुश्त समझौता योजना (OTS)** लागू करने की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
    - इसका प्रमुख उद्देश्य **किसानों और लघु उद्यमियों** को **वित्तीय संकट से बचाना** और **भूमि विकास बैंकों की स्थिरता सुनिश्चित करना** है।
    - इस योजना के तहत, यदि ऋणी 1 जुलाई, 2024 तक अवधिपार हो चुके मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण के मूलधन की 100 प्रतिशत राशि जमा करते हैं, तो उन्हें **ब्याज में शत-प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी।**
    - इसके अलावा, 5 प्रतिशत अनुदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पात्र ऋणी सदस्य पुनः ऋण प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
    - इस योजना से भूमि विकास बैंकों से जुड़े **36,351** अवधिपार ऋणी सदस्यों को लाभ मिलेगा।
    - विभिन्न आपदाओं के कारण किसान ऋण की किस्तें समय पर नहीं चुका सके, जिससे सहकारी भूमि विकास बैंकों का अवधिपार ऋण 760 करोड़ रुपए तक पहुँच गया है।
        - इस स्थिति को सुधारने के लिये सरकार **200 करोड़ रुपए** खर्च करेगी, जिससे न केवल ऋणों की वसूली आसान होगी, बल्कि बैंकों की आर्थिक स्थिति में सुधार भी होगा।
- **योजना का महत्त्व**
    - यह योजना किसानों को **नया ऋण प्राप्त करने और उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने** में सहायता करेगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इस योजना से **छोटे व्यापारियों को वित्तीय राहत** मिलेगी, जिससे वे अपने **व्यवसाय को पुनः स्थापित और सशक्त कर सकेंगे**।
- इस योजना से भूमि विकास बैंकों की **ऋण वसूली दर में सुधार** होगा।

भूमि विकास बैंक के बारे में:

- **परिचय**
  - **भूमि विकास बैंक (Land Development Bank - LDB)** विशेष रूप से **कृषि और ग्रामीण विकास** के लिये स्थापित सहकारी बैंक हैं।
  - ये बैंक **दीर्घकालिक ऋण** प्रदान करते हैं, जो मुख्य रूप से किसानों को भूमि सुधार, **सिंचाई**, बागवानी, **कृषि उपकरण खरीदने**, पशुपालन **और अन्य कृषि संबंधी गतिविधियों** के लिये दिये जाते हैं।
- **इतिहास**
  - भारत में पहला **भूमि विकास बैंक वर्ष 1920 में पंजाब के झंग में** स्थापित किया गया था।
  - इसके बाद वर्ष **1929 में चेन्नई में एक और बैंक की स्थापना** हुई, जिसके साथ भूमि विकास बैंकों का विस्तार शुरू हुआ।
- **वित्त के स्रोत**
  - केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अनुदान और सहायता।
  - कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिये वित्तपोषण।
  - दीर्घकालिक वित्त जुटाने हेतु बॉन्ड्स का निर्गम।
  - विभिन्न सहकारी एवं वाणिज्यिक बैंकों से ऋण।
- **ऋण वितरण और पुनर्भुगतान**
  - भूमि विकास बैंक **20 से 30 वर्षों** की अवधि के लिये दीर्घकालिक ऋण प्रदान करते हैं।
  - ऋण की राशि आमतौर पर **भूमि के मूल्य के 50% या वार्षिक** राजस्व **के 30 गुना तक** होती है।
  - ऋण प्रदान करने से पहले **भूमि के स्वामित्व, आय और ऋण आवश्यकता का पूर्ण सत्यापन** किया जाता है।
  - **ब्याज दरें आमतौर पर** 11-12% होती हैं, ताकि किसान इसे आसानी से चुका सकें।

गिवअप अभियान

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान में **'गिवअप अभियान'** के तहत **13 लाख से ज्यादा** सक्षम लाभार्थियों ने **स्वेच्छा से** खाद्य सुरक्षा योजना से अपना नाम हटाया, जिससे सरकार पर **246 करोड़ रुपए** का वित्तीय भार कम हुआ।

मुख्य बिंदु

- **गिवअप अभियान के बारे में:**
  - राजस्थान सरकार द्वारा **'गिवअप अभियान'** की शुरुआत **नवंबर 2024** में की गई थी, जिसका उद्देश्य **सक्षम एवं अपात्र** लोगों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ **स्वेच्छा से** छोड़ने के लिये प्रेरित करना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह अभियान उन लोगों को लक्षित करता है जो गरीबी रेखा **से ऊपर** उठ चुके हैं और अब इस योजना की पात्रता नहीं रखते।
- अब तक इस अभियान के तहत **13 लाख 58 हज़ार 498 लोगों** ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ दिया है।

- **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 (NFSA):** यह खाद्य सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण में एक आमूलचूल परिवर्तन को इंगित करता है जहाँ अब यह कल्याण (welfare) के बजाए अधिकार-आधारित दृष्टिकोण (rights-based approach) में बदल गया है।
  - NFSA निम्नलिखित माध्यमों से ग्रामीण आबादी के 75% और शहरी आबादी के 50% को दायरे में लेता है:
    - अंत्योदय अन्न योजना: इसमें निर्धनतम आबादी को दायरे में लिया गया है जो प्रति परिवार प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्राप्त करने के हकदार हैं।
    - **प्राथमिकता वाले परिवार (Priority Households- PHH):**PHH श्रेणी के अंतर्गत शामिल परिवार प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलोग्राम खाद्यान्न प्राप्त करने के हकदार हैं।
  - राशन कार्ड जारी करने के मामले में परिवार की 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की सबसे बड़ी आयु की महिला का घर की मुखिया होना अनिवार्य किया गया है।
  - इसके अलावा, अधिनियम में 6 माह से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिये विशेष प्रावधान किया गया है, जहाँ **उन्हें एकीकृत बाल विकास सेवा (Integrated Child Development Services- ICDS)** केंद्रों (जिन्हें आँगनवाड़ी केंद्रों के रूप में भी जाना जाता है) के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से नि:शुल्क पौष्टिक आहार प्रदान करना सुनिश्चित किया गया है

अंत्योदय अन्न योजना

- 'अंत्योदय अन्न योजना' की शुरुआत **दिसंबर 2000** में की गई थी।
- इस योजना का उद्देश्य 'गरीबी रेखा' से नीचे रह रही आबादी की खाद्यान्न की कमी को पूरा करना था।
- शुरुआत में इस योजना के तहत लाभार्थी परिवार को **प्रतिमाह 25 किग्रा.** खाद्यान्न दिये जाने का प्रावधान था जिसे अप्रैल **2002 में बढ़ाकर 35 किग्रा.** कर दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस

चर्चा में क्यों ?

21 मार्च, 2025 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC), जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

- **इस** अवसर पर **राजस्थान के मुख्यमंत्री ने** वन संरक्षण, पर्यटन एवं जलवायु परिवर्तन **से जुड़ें कई कार्यक्रमों** की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **कार्यक्रमों के बारे में**
  - मुख्यमंत्री ने जयपुर में **वन प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान** का शिलान्यास किया।
  - **सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य** में इको टूरिज्म फैसिलिटीज़ एवं केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर एवं नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में **इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट** की शुरुआत की गई।
  - मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्द्धन (CRESEP) का लोगो का अनावरण किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **डीजी-वन एप का उद्घाटन किया गया**, जो वन विभाग में पारदर्शिता बढ़ाने हेतु **आईटी तकनीक पर आधारित है।**
- **वनमित्रों को किट वितरित** की गई और **फील्ड में कार्यरत महिला वन कर्मियों को सम्मानित** किया गया।

- **अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस**
  - अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस की शुरुआत **वर्ष 1971 में खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)** द्वारा स्थापित **"विश्व वानिकी दिवस"** से हुई।
  - इसे **संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा **वर्ष 2012** में **औपचारिक रूप से मान्यता** दी गई।
  - इसका उद्देश्य **वन संरक्षण** और **सतत् प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना** है।
  - अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2025 का विषय **"वन और भोजन"** है।

नाहरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

- **परिचय:**
  - यह राजस्थान के जयपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर अरावली पहाड़ियों में स्थित है।
  - इसका नाम नाहरगढ़ किले के नाम पर रखा गया है, जो जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय द्वारा निर्मित 18वीं शताब्दी का किला था।
  - इसका क्षेत्रफल 720 हेक्टेयर है।
  - इसमें नाहरगढ़ जैविक उद्यान भी शामिल है, जो शेर सफारी के लिये प्रसिद्ध है।
- **वनस्पति: इसमें शुष्क पर्णपाती वन, झाड़ियाँ और घास के मैदान शामिल हैं ।**
- **जीव-जंतु:**
  - **स्तनधारी:**
    - सामान्य प्रजातियों में तेंदुए, जंगली सूअर, हिरण, शेर, बाघ, स्लॉथ बीयर और विभिन्न छोटे स्तनधारी शामिल हैं।
  - **पक्षी:**
    - पक्षी प्रेमियों के लिये यह एक स्वर्ग है, जहाँ मोर, उल्लू और ईगल जैसी प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
  - **सरीसृप एवं उभयचर:**
  - इंडियन रॉक अजगर और मॉनिटर लिज़ार्ड जैसे सरीसृपों का निवास स्थान।
  - यहाँ मेंढक और टोड जैसे उभयचर प्राणी भी पाए जाते हैं।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान:

- **परिचय:**
  - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान **राजस्थान के भरतपुर** में स्थित एक **आर्द्रभूमि** और **पक्षी अभयारण्य** है। यह **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** और दुनिया के सबसे महत्त्वपूर्ण **पक्षी विहारों** में से एक है।
    - **चिल्का झील (ओडिशा)** और **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान)** को **वर्ष 1981** में **भारत के पहले रामसर स्थलों के रूप में मान्यता** दी गई थी।
    - वर्तमान में **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान** और **लोकटक झील (मणिपुर), मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड** में दर्ज हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह अपनी **समृद्ध पक्षी विविधता** और **जल पक्षियों की बहुलता** के लिये प्रसिद्ध है। यह उद्यान **पक्षियों की 365 से अधिक प्रजातियों का घर** है, जिसमें कई **दुर्लभ** और **संकटग्रस्त प्रजातियाँ** शामिल हैं, जैसे कि **साइबेरियाई क्रेन**।
- उत्तरी गोलार्द्ध के दूर-दराज़ के क्षेत्रों से विभिन्न प्रजातियाँ प्रजनन हेतु अभयारण्य में आती हैं। साइबेरियन क्रेन उन दुर्लभ प्रजातियों में से एक है जिसे यहाँ देखा जा सकता है।

- **नदियाँ:**
  - **गंभीर और बाणगंगा** नदियाँ इस राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती हैं।

मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों?

मध्यम आकार की और स्थानीय रूप से संकटग्रस्त बिल्ली **कैराकल** (Caracal) को पहली बार राजस्थान के मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व में देखा गया।

मुख्य बिंदु

- **कैराकल के बारे में:**

- **परिचय:**
  - **इसका वैज्ञानिक नाम: कैराकल कैराकल श्मिट्ज़ी है।**
  - **कैराकल** एक **रात्रिचर बिल्ली प्रजाति** है, जो **अफ्रीका, मध्य पूर्व,** मध्य एशिया **और** दक्षिण एशिया में पाई जाती है।
  - इसकी पहचान **लंबे, नुकीले और काले गुच्छों वाले कानों** से की जाती है। इसका नाम तुर्की शब्द '**करकुलक**' से लिया गया है, जिसका अर्थ है- **काले कान**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह **अत्यंत फुर्तीला शिकारी** है, जो **तेज़ गति और लंबी छलांग लगाने की क्षमता** के लिये जाना जाता है। इसका मुख्य आहार **छोटे खुर वाले जानवर और कुंतक** हैं।

- **ऐतिहासिक महत्त्व:**
    - **कैराकल** भारतीय वन्यजीवों का एक **महत्त्वपूर्ण हिस्सा** रहा है। इसका उल्लेख **ख़म्सा-ए-निज़ामी और शाहनामा** जैसे ऐतिहासिक ग्रंथों में मिलता है, जो शिकार में इसकी उपयोगिता को दर्शाता है। यह कभी **भारत के 13 राज्यों** में विभिन्न जैविक प्रांतों में पाया जाता था।
- **वितरण:**
    - ये ज़्यादातर **राजस्थान, गुजरात** और **मध्य प्रदेश** में पाए जाते हैं और **कच्छ**, **मालवा पठार**, **अरावली पहाड़ी श्रृंखला** में स्थित हैं।
    - भारत के अलावा, कैराकल अफ्रीका, मध्य पूर्व, मध्य और दक्षिण एशिया के अनेक देशों में पाया जाता है।
- **निवास:**
    - यह अर्ध-रेगिस्तान, मैदानी इलाकों, **सवाना**, **झाड़ीदार भूमि, शुष्क जंगल और नम वुडलैंड या सदाबहार वन** में पाया जाता है।
    - यह खुले मैदान और शुष्क, झाड़ीदार, शुष्क आवासों को पसंद करता है और इसे आश्रय की आवश्यकता होती है।
- **संख्या में गिरावट:**
    - **भारत में कैराकल की संख्या 50 से भी कम** रह गई है।
    - **2001 से 2020 के बीच इनकी आबादी में 95% से अधिक गिरावट** दर्ज की गई है।
    - **आवास क्षति और शहरीकरण** के कारण इनका मुख्य भोजन दुर्लभ हो गया है।
- **संरक्षण स्थिति:**
    - **IUCN रेड लिस्ट: कम चिंतनीय**
    - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची 1**
    - **CITES: परिशिष्ट I**
    - **वर्ष 2021 में, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** ने **कैराकल को गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति** के रूप में वर्गीकृत किया।

मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व

- यह राजस्थान के हड़ौती क्षेत्र में स्थित है, जो राजस्थान के **चार ज़िलों- कोटा, बूंदी, चित्तौड़गढ़ और झालावाड़** में **759 वर्ग किमी.** क्षेत्र में फैला हुआ है।
    - इसमें 417 वर्ग किमी. का एक मुख्य क्षेत्र और 342 वर्ग किमी. का एक बफर ज़ोन शामिल है।
- इसे वर्ष 1955 में संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया था। यहाँ के वन में पेड़ बहुत मोटे और घने हैं।
- यह **टाइगर रिज़र्व** चार नदियों **रमज़ान, आहू, काली और चंबल से घिरा हुआ है** और यह दो समानांतर **पहाड़ों मुकुंदरा एवं गगरोला** के बीच स्थित है। यह चंबल नदी की सहायक नदियों के अपवाह क्षेत्र के अंतर्गत आता है।
- **रणथंभौर और सरिस्का टाइगर रिज़र्व के बाद मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व राजस्थान का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है।**
- राजस्थान सरकार ने **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण** (National Tiger Conservation Authority) के सहयोग से **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972** के तहत वर्ष 2013 में इसे टाइगर रिज़र्व घोषित किया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक, 2025

चर्चा में क्यों?

राजस्थान विधानसभा में कोचिंग सेंटरों को नियंत्रित और विनियमित करने के लिये **राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक, 2025** प्रस्तुत किया गया।

मुख्य बिंदु

- **विधेयक के बारे में:**
  - **उद्देश्य**
    - **इस विधेयक** का उद्देश्य **कोचिंग संस्थानों के व्यावसायीकरण पर अंकुश लगाना, छात्र कल्याण सुनिश्चित करना** तथा छात्रों की आत्महत्या **की बढ़ती घटनाओं** को रोकना है।
  - **आवश्यकता**
    - राजस्थान, विशेषकर कोटा **में** हर साल **लाखों छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी** करते हैं, लेकिन अत्यधिक दबाव, **मानसिक तनाव और असफलता** के भय के कारण आत्महत्या की घटनाएँ बढ़ रही हैं।
- **विधेयक के प्रमुख प्रावधान**
  - **अनिवार्य पंजीकरण:** सभी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। विशेष रूप से, **50 या अधिक छात्रों वाले कोचिंग सेंटर** कानूनी दायरे में आएंगे।
  - **जुर्माने का प्रावधान:** यदि कोई कोचिंग सेंटर पंजीकरण शर्तों का उल्लंघन करता है, तो **पहली बार 2 लाख रुपए और दूसरी बार 5 लाख रुपए तक का जुर्माना** लगाया जाएगा। बार-बार नियमों के उल्लंघन पर **पंजीकरण रद्द** किया जा सकता है।
  - **विनियमन प्राधिकरण की स्थापना:** नए नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिये **'राजस्थान कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियमन प्राधिकरण'** का गठन किया जाएगा।
  - **शुल्क नियंत्रण:**
    - कोचिंग सेंटरों द्वारा **मनमाने शुल्क** वसूलने पर रोक लगेगी और शुल्क को **उचित एवं तर्कसंगत** बनाया जाएगा।
    - शुल्क के **सभी प्रकार के भुगतान पर रसीदें** देना अनिवार्य होगा।
    - यदि कोई छात्र **बीच में कोर्स छोड़ता है, तो 10 दिनों के भीतर आनुपातिक आधार पर शेष शुल्क वापस** करना होगा।
    - संपूर्ण शुल्क **एकमुश्त लेने की मनाही** होगी और छात्रों को **कम-से-कम चार किस्तों में भुगतान** का विकल्प देना होगा।
  - **भ्रामक विज्ञापनों पर रोक: झूठे दावों, उच्च रैंक या अंकों की गारंटी** वाले विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाया गया है।
  - **कक्षा की अधिकतम समय-सीमा:** छात्रों में **थकान कम करने** के लिये, कोचिंग कक्षाओं की अधिकतम अवधि **प्रति दिन 5 घंटे** तय की गई है। साथ ही, **सप्ताह में एक दिन अवकाश** अनिवार्य होगा।
  - **काउंसलिंग प्रणाली:** छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कोचिंग सेंटरों में **काउंसलिंग सिस्टम विकसित** करने का प्रावधान किया गया है।
  - **शिकायत निवारण समिति:** छात्र, अभिभावक एवं शिक्षकों की शिकायतों के निवारण के लिये **ज़िला स्तर पर एक समिति** गठित की जाएगी, जो **30 दिनों के भीतर समाधान** प्रदान करेगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

गंभीरी नदी

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान उच्च न्यायालय ने घाना पक्षी अभयारण्य को जलापूर्ति करने वाली **गंभीरी नदी** के बाढ़ क्षेत्र में कथित अतिक्रमण के मामले पर संज्ञान लेते हुए राज्य प्रशासन से जवाब मांगा है।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - न्यायालय ने इस मामले में **मुख्य सचिव, संभागीय आयुक्त (भरतपुर), प्रमुख राजस्व सचिव, ज़िला कलेक्टर (करौली) और एसपी (करौली)** को नोटिस जारी कर **आठ सप्ताह** के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।
  - **याचिकाकर्त्ता** द्वारा दायर जनहित याचिका (PIL) पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया गया।
  - याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने न्यायालय को अवगत कराया कि **पांचना बाँध** का पानी **गंभीरी नदी** के माध्यम से **घाना पक्षी अभयारण्य** तक पहुँचता है, जो अतिक्रमण के कारण बाधित हो रहा है।
  - **इसके अतिरिक्त करौली ज़िले के सनेंट गाँव** की लगभग **230 बीघा भूमि**, जो नदी के प्रवाह क्षेत्र का हिस्सा है, पर वर्षों से **अतिक्रमण** किया जा रहा है। इससे **पक्षी विहार का जैविक संतुलन** प्रभावित हो रहा है।
- **गंभीरी नदी**
  - **गंभीरी नदी**, जिसे **उटंगन नदी** के नाम से भी जाना जाता है, राजस्थान की एक **महत्त्वपूर्ण मौसमी नदी** है, जो मुख्यत: **वर्षा ऋतु** में प्रवाहित होती है।
  - यह नदी **राजस्थान के पूर्वोत्तर भाग** में प्रवाहित होती है।
  - यह नदी करौली ज़िले में **हिंडौन के निकट** अरावली पहाड़ियों से उद्गमित होती है और **दक्षिण से उत्तर दिशा** में प्रवाहित होती है।
  - यह **राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा** बनाते हुए आगरा में यमुना नदी **में मिल** जाती है। इसकी **कुल लंबाई लगभग 288 किलोमीटर** है।
  - इसकी **मुख्य सहायक नदियाँ – सेसा, खेर और पार्वती** हैं।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान:

- **परिचय:**
  - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान अथवा **केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के भरतपुर** में स्थित एक आर्द्रभूमि और **पक्षी अभयारण्य** है। यह **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** और दुनिया के सबसे महत्त्वपूर्ण **पक्षी विहारों** में से एक है।
    - **चिल्का झील (ओडिशा)** और **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान)** को **वर्ष 1981** में **भारत के पहले रामसर स्थलों के रूप में मान्यता** दी गई थी।
    - वर्तमान में **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान** और **लोकटक झील (मणिपुर), मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड** में दर्ज हैं।
  - यह अपनी **समृद्ध पक्षी विविधता** और **जल पक्षियों की बहुलता** के लिये प्रसिद्ध है। यह उद्यान **पक्षियों की 365 से अधिक प्रजातियों का घर** है, जिसमें कई **दुर्लभ** और संकटग्रस्त प्रजातियाँ शामिल हैं, जैसे कि **साइबेरियाई क्रेन**।
  - उत्तरी गोलार्द्ध के दूर-दराज़ के क्षेत्रों से विभिन्न प्रजातियाँ प्रजनन हेतु अभयारण्य में आती हैं। साइबेरियन क्रेन उन दुर्लभ प्रजातियों में से एक है जिसे यहाँ देखा जा सकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पशु वर्ग:**
  - इस क्षेत्र में सियार, सांभर, नीलगाय, जंगली बिल्लियाँ, लकड़बग्घे, जंगली सूअर, साही और नेवला जैसे जानवर देखे जा सकते हैं।
- **वनस्पति वर्ग:**
  - प्रमुख वनस्पति प्रकार उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन हैं जो शुष्क घास के मैदान के साथ मिश्रित बबूल निलोटिका प्रभुत्त्व वाले क्षेत्र हैं।
- **नदियाँ:**
  - **गंभीर और बाणगंगा** नदियाँ इस राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती हैं।

राजस्थान में किसानों के लिये सब्सिडी

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने किसानों के लिये नए लाभ और सब्सिडी की घोषणा की, जिसमें **30,000 कृषकों के लिये 137 करोड़ रुपए की अनुदान राशि शामिल है।**

- **उन्होंने कृषि योजनाओं और पशुधन स्वास्थ्य देखभाल के लिये संशोधित दिशानिर्देश** भी जारी किये, जिसमें छोटे और सीमांत किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे राज्य की प्रगति सुनिश्चित की जा सके।

मुख्य बिंदु

- **नवीन पहलों की शुरुआत:**
  - मुख्यमंत्री ने बीकानेर में आयोजित **किसान सम्मेलन एवं किसान उत्पादक संगठन (FPO)** कार्यक्रम में नवीन कृषि पहलों की घोषणा की।
  - इनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में वृद्धि, **मंगल पशु बीमा योजना** का विस्तार तथा **जैविक खेती एवं बागवानी** को बढ़ावा देने के लिये नये दिशानिर्देश शामिल हैं।
  - उन्होंने किसानों को कल्याणकारी योजनाओं के चेक वितरित किये और उन्हें सामूहिक खेती के माध्यम से अधिक आय के अवसर प्राप्त करने के लिये **FPOs से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया।**
- **खाद्य सुरक्षा और वित्तीय सहायता:**
  - राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत **72 लाख से अधिक किसानों को 1,400 करोड़ रुपए** अंतरित किये।
  - **47 लाख किसानों को 29,000 करोड़ रुपए के ब्याज-मुक्त फसल ऋण** प्रदान किये।
  - प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 3,000 करोड़ रुपए की बीमा राशि वितरित की गई।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)

- इस योजना के अंतर्गत, केंद्र सरकार सभी **भूमिधारी किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपए** की राशि तीन समान किश्तों में सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित करती है।
  - यह योजना **फरवरी 2019 में शुरू** की गई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है, जिसे **भारत सरकार द्वारा 100% वित्तपोषित** किया जाता है।
- इसे **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- लाभार्थी किसान परिवारों की **पहचान की पूरी ज़िम्मेदारी राज्य / केंद्रशासित प्रदेश सरकारों** की होती है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

- **परिचय:**
  - यह योजना वर्ष 2016 में शुरू की गई थी और इसे **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** द्वारा प्रशासित किया जा रहा है।
  - इसने **राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (NAIS) और संशोधित राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (MNAIS)** का स्थान लिया।
- **पात्रता:**
  - अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों की खेती करने वाले किसान, जिनमें बटाईदार और काश्तकार किसान भी शामिल हैं, इस योजना के अंतर्गत कवर किये जाते हैं।

हरियालो राजस्थान अभियान

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार ने "**हरियालो राजस्थान अभियान**" के तहत **वित्तीय वर्ष 2025-26** में **10 करोड़ पेड़ लगाने** का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्य बिंदु

- **अभियान के बारे में:**
  - **हरियालो राजस्थान अभियान** की शुरुआत **7 अगस्त 2024** को **हरियाली तीज** के अवसर पर की गई।
  - राज्य के मुख्यमंत्री ने **दूदू ज़िले के गाहोता** में एक **पीपल का पौधा** लगाकर इस अभियान का शुभारंभ किया।
  - '**एक पेड़ माँ के नाम**' अभियान से प्रेरित होकर, राज्य सरकार ने '**मिशन हरियालो राजस्थान**' के तहत अगले पाँच वर्षों में **50 करोड़ पौधे लगाने** का लक्ष्य रखा है।
  - इसके अंतर्गत **वर्ष 2024-25** में **7 करोड़ पौधे** लगाए गए।
- **उद्देश्य:**
  - **राजस्थान को हरा-भरा बनाना** और **वन क्षेत्र का विस्तार** करना।
  - **पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संतुलन बनाए रखना**।
  - **जैवविविधता का संरक्षण** एवं वन्यजीवों के लिये बेहतर **पारिस्थितिकी तंत्र** तैयार करना।
  - **स्थानीय समुदायों की भागीदारी** सुनिश्चित कर वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाना।
  - **मरुस्थलीकरण को रोकना** और **मृदा संरक्षण** को बढ़ावा देना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान

- **परिचय**
  - यह एक विशेष देशव्यापी वृक्षारोपण अभियान है, जिसे **5 जून 2024** को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया है।
  - इस अभियान के तहत लोगों को अपनी माँ के प्रति प्रेम, आदर और सम्मान के प्रतीक के रूप में एक पेड़ लगाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है और पेड़ों और धरती माँ की रक्षा करने का संकल्प भी लिया जाता है।
- **उद्देश्य**
  - इस अभियान का उद्देश्य **भूमि क्षरण की रोकथाम** और **क्षरित भूमि के पारिस्थितिक पुनर्स्थापन** को सुनिश्चित करना है।
  - **इसके अतिरिक्त** पर्यावरण संरक्षण और **हरित आवरण** को बढ़ावा देना है।
  - इसका लक्ष्य सितंबर 2024 तक **80 करोड़ पेड़** और मार्च 2025 तक **140 करोड़ पेड़** लगाना है।
- **रणनीति:**
  - यह अभियान **"संपूर्ण सरकार"** और **"संपूर्ण समाज"** की अवधारणा पर आधारित है, जो नागरिकों, समुदायों और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से भारत के हरित आवरण के पुनर्जीवन के लिये सामूहिक प्रयास को प्रोत्साहित करता है।

आना सागर झील

चर्चा में क्यों?

सर्वोच्च नयायालय ने राजस्थान सरकार को अजमेर की **आना सागर झील** किनारे बने **सेवेन वंडर्स** और **फूड कोर्ट** को हटाने का आदेश दिया।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - **सर्वोच्च नयायालय** ने **सेवन वंडर पार्क** को **छह महीने** के भीतर हटाने या अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है, जबकि **फूड कोर्ट** को **7 अप्रैल**, 2025 तक पूरी तरह ध्वस्त करने का आदेश दिया गया है।
  - इसके अतिरिक्त, नयायालय ने स्पष्ट किया कि वेटलैंड क्षेत्र को जितना नुकसान पहुँचा है, उतना ही नया वेटलैंड **सिटी एरिया** में विकसित किया जाए।
  - नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने भी झील के वेटलैंड क्षेत्र को नुकसान पहुँचाने को लेकर कड़ा रुख अपनाया था।
- **याचिका**
  - अजमेर के पूर्व पार्षद ने आना सागर झील के किनारे अवैध निर्माण को लेकर आपत्ति जताई थी।
  - उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्माण वेटलैंड क्षेत्र और मास्टर प्लान की अवहेलना कर किया गया था।
  - इसको लेकर उन्होंने NGT में याचिका दायर की थी, जिसके बाद अगस्त 2023 में निर्माण हटाने के आदेश जारी किये गए।
  - इन आदेशों के खिलाफ अजमेर विकास प्राधिकरण ने जनवरी 2024 में सर्वोच्च नयायालय में अपील की थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

आनासागर झील

- अजमेर में स्थित यह एक **कृत्रिम झील** है, जिसका निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता **अरुणोराज या आणाजी चौहान** ने बारहवीं शताब्दी के मध्य (1135-1150 ईस्वी) करवाया था।
  - आणाजी द्वारा निर्मित कराए जाने के कारण ही इस झील का नाम आणा सागर या आना सागर पड़ा।
  - आना सागर झील का विस्तार लगभग **13 किमी. की परिधि** में फैला हुआ है।
  - बाद में, मुगल शासक जहाँगीर ने झील के प्रांगण में **दौलत बाग** का निर्माण कराया,जिसे **सुभाष उद्यान** के नाम से भी जाना जाता है।
  - **शाहजहाँ** ने **1637 ईस्वी** में इसके आसपास **संगमरमर की बारादरी (पवेलियन)** का निर्माण कराया, जो झील की सुंदरता को और बढ़ाता है।
  - आना सागर झील **अजमेर का प्रमुख जल स्रोत** होने के साथ-साथ स्थानीय जैवविविधता और **प्रवासी पक्षियों** के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कर्रा रोग का फैलाव

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के पशुपालन मंत्री ने जैसलमेर ज़िले में कर्रा रोग के प्रसार को रोकने के लिये विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - कर्रा रोग (बॉटूलिज्म) का प्रसार राजस्थान के **पश्चिमी ज़िलों – जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा और फलौदी** में देखा गया है। ये ज़िले शुष्क और अर्ध-शुष्क जलवायु वाले क्षेत्र हैं, जहाँ पशुपालन मुख्य रूप से आजीविका का आधार है।
  - हाल ही में इस रोग के कारण जैसलमेर **में 36 और फलौदी में 2 पशुओं** की मृत्यु हो गई।
  - इस बैठक का उद्देश्य **रोग की रोकथाम, पशुपालकों को जागरूक करने और आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने** पर ध्यान केंद्रित करना था।
- **कर्रा रोग**
  - यह रोग मुख्य रूप से **हरे चारे तथा** कैल्शियम और फास्फोरस की कमी के कारण होता है।
  - इसके चलते **पशु मृत पशुओं की हड्डियाँ खाने लगते हैं**, जिससे बॉटूलिज्म **रोग के कीटाणु** शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और संक्रमण फैलता है।
  - रोगग्रस्त पशु में **मुख से लार टपकना, अगले पैरों में जकड़न होना और जीभ का लकवाग्रस्त होकर मुँह से बाहर लटक जाना** इस रोग के प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं।
  - इससे बचाव के लिये **पशुपालकों को पोषक तत्त्वों से भरपूर आहार देने की सलाह** दी जाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान विधेयक, 2024

चर्चा में क्यों ?

21 मार्च, 2025 को राजस्थान विधानसभा ने **"राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान विधेयक, 2024"** को ध्वनिमत से पारित कर दिया है।

मुख्य बिंदु

- **विधेयक के बारे में:**
  - इस विधेयक का उद्देश्य आपातकाल (25 जून, 1975 - 21 मार्च, 1977) के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिये संघर्ष करने वाले सेनानियों और उनके परिवारों को सम्मानित करना है।
  - यह विधेयक उन लोगों के त्याग और बलिदान को मान्यता प्रदान करता है, जिन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिये संघर्ष किया था।
- **मुख्य प्रावधान**
  - **मासिक पेंशन:** सभी पात्र लोकतंत्र सेनानियों को ₹20,000 मासिक पेंशन दी जाएगी।
  - **चिकित्सा सहायता:** प्रत्येक लाभार्थी को ₹4,000 मासिक चिकित्सा सहायता प्रदान की जाएगी।
  - **नि:शुल्क परिवहन सुविधा:** सरकारी परिवहन सेवाओं में लोकतंत्र सेनानियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।
  - **आश्रितों को लाभ:** लोकतंत्र सेनानियों की मृत्यु के पश्चात उनके **पति/पत्नी को जीवनकाल तक सम्मान राशि एवं चिकित्सा सहायता** दी जाएगी।
  - **राष्ट्रीय उत्सवों पर विशेष आमंत्रण:** लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिवारों को स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा।
- **महत्त्व**
  - यह विधेयक लोकतंत्र की रक्षा करने वालों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
  - इससे उन परिवारों को आर्थिक और सामाजिक बल मिलेगा, जो आपातकाल के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुए थे।
  - यह पहल लोकतंत्र की रक्षा के लिये भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करने का कार्य भी करेगी।

आपातकाल क्या है ?

- **परिचय:**
  - **यह किसी देश के संविधान या कानून के अंतर्गत कानूनी उपायों और धाराओं को संदर्भित करता है** जो सरकार को असाधारण स्थितियों, **जैसे युद्ध, विद्रोह या अन्य संकटों, जो देश की स्थिरता, सुरक्षा या संप्रभुता तथा भारत के लोकतंत्र के लिये खतरा उत्पन्न करते हैं,** पर त्वरित एवं प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने में सक्षम बनाता है।
- **संविधानिक प्रावधान:**
  - ये प्रावधान **संविधान के भाग XVIII** के अंतर्गत **अनुच्छेद 352 से अनुच्छेद 360** में उल्लिखित हैं।
    - भारतीय संविधान में आपातकालीन प्रावधान **जर्मनी के वीमर संविधान** से प्रेरित हैं।
- **आपातकाल के प्रकार:**
  - राष्ट्रीय आपातकाल (अनुच्छेद 352)
  - राज्य आपातकाल (अनुच्छेद 356)
  - वित्तीय आपातकाल (अनुच्छेद 360)

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :